

**योहन 6:25-29**

**BELIEVE IN WHOM HE HAS SENT**

आज के सुसमाचार में येशु परमप्रसाद की प्रतिज्ञा करते हैं। येशु के कफरनाहूम पहुंचने के बाद लोग भी वहां पहुंच जाते हैं। जनता येशु के चमत्कार देखने के लिए नहीं बल्कि जैसे उन्होंने गलीलिया में रोटी खायी वैसे कफरनाहूम में भी रोटी खाने के लिए आयी। ऐसों में येशु लोगों से कहते हैं नश्वर रोटी के लिए नहीं बल्कि अनश्वर रोटी के लिए परिश्रम करो और वह अनश्वर रोटी मानव पुत्र प्रदान करेगा। अनश्वर रोटी प्रभु ईसा मसीह है, उसका शरीर और रक्त है। इस रोटी की विशेषता है कि जो उसे ग्रहण करेगा उसे अनंत जीवन मिलेगा।

मनुष्यों को अनंत जीवन देने के लिए येशु परम प्रसाद बन गये। सिर्फ और सिर्फ येशु अपने शरीर और रक्त परम-प्रसाद के रूप में दे सकते हैं क्योंकि ईश्वर ने सिर्फ उनको इसका अधिकार दिया है। परम प्रसाद में येशु सचमुच जीवित है।

**Rev. Fr. Ebin Uppukandathil**

**©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019**